श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 2 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 अप्रेल 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

झुकना ही विनम्रता की पहचान है - श्री जयरत्नसूरिजी म. सा.

श्री गौड़ीजी तीर्थ पर तपस्वियों का लगा मेला

उदयपुर, (स. सं),

परम पूज्य पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं संयमवयः स्थविर, योगिराजश्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्य भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्र आराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का मालवा की धर्ममय नगरी झाबुआ में श्री गौड़ीजी तीर्थ में आयोजित वर्षीतप के तपस्वियों की तपस्या के निमित्त भव्यातिभव्य प्रवेश हुआ।

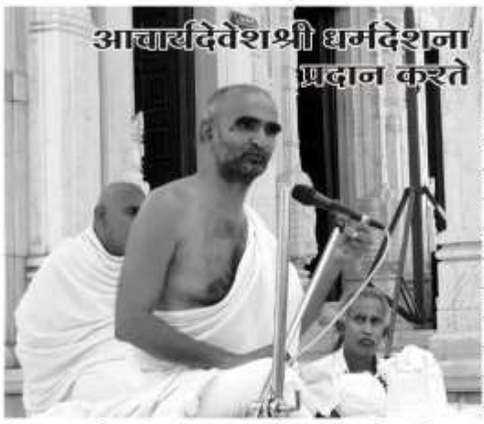

आचार्यदेवेशश्री ने श्री गौड़ीजी तीर्थेन्द्र धाम पर आयोजित धर्मसभा में मंगल प्रवचन प्रदान करते हुए कहा कि जो झुकता है वही आगे बढ़ता है। जो व्यक्ति सदा दूसरों के सम्मान में प्रसन्न एवं दूसरों की प्रसन्नता में झुकता है वह सही मायने में महापुरुष कहलाता है। आज दुनिया झुकने के बजाय दिखावे में अधिक विश्वास कर रही है और इस दिखावे में वह प्रत्येक कार्य कर रही है जो समाज में शर्मिन्दगी का कारण बनता है। दिखावे और बदले की प्रतिस्पर्धा वाले युग से किसी का फायदा नहीं होगा, बल्कि हम सभी धीरे-धीरे पतन की ओर अग्रसर होंगे।

श्री गौड़ीजी तीर्थ पर वर्षीतप के पारणे के लाभार्थी संघवी वालीबाई सागरमलजी, नगीनलालजी, मनोहरलालजी, अशोकजी छाजेड़ परिवार ने पारा, झाबुआ, राजगढ़, इन्दौर आदि श्रीसंघों के लगभग 50 तपस्वियों के पारणे आचार्यदेवेशश्री की पावन निश्रा एवं पारा-झाबुआ श्रीसंघ की विशेष उपस्थिति में करवाए।

उक्त आयोजन छाजेड़ परिवार के तपस्वी श्रीमती मंजूला मनोहरलालजी छाजेड़, श्रीमती प्रेमलता पारसमलजी लुणावत एवं श्रीमती माला मनीषजी छाजेड़ की वर्षीतप की तपस्या के निमित्त किया गया।

तपस्वियों के पारणे के पश्चात् धर्मसभा के प्रारम्भ में सामूहिक गुरुवन्दन वरिष्ठ सुश्रावक धर्मचन्दजी मेहता एवं पारा श्रीसंघ के वरिष्ठ राजेन्द्रजी कोठारी ने करवाया। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन नगीनलालजी छाजेड़, माँगीलालजी पावेचा-राजगढ़, श्री ऋषभदेव बावन जिनालय के व्यवस्थापक संजयजी मेहता, सचिव मुकेशजी जैन, आचार्यश्री तीर्थेन्द्रसूरि समिति के तेजप्रकाश कोठारी एवं संजयकुमारजी काठी व चातुर्मास समिति नवल के अध्यक्ष कमलेशजी ने किया। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के चित्र पर माल्यार्पण संघ के वरिष्ठ मनोहरजी मण्डारी एवं कान्तिलालजी बाबेल ने किया।

माल्यार्पण के पश्चात् अपने स्वागत भाषण में पारा श्रीसंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं झाबुआ श्रीसंघ के पूर्व अध्यक्ष तथा झाबुआ श्रीसंघ व श्री गौड़ीजी तीर्थ पर सेवा देने वाले आयोजन के लाभार्थी मनोहरजी छाजेड़ ने भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री को, वर्षीतप के तपस्वियों को, झाबुआ, पारा एवं विभिन्न श्रीसंघ के सदस्यों व इष्टमित्रों को धन्यवाद दिया कि आपने हमारे परिवार की विनन्ती को स्वीकार कर और यह शुभ अवसर छाजेड़ परिवार को प्रदान किया। साथ ही श्री गौड़ीजी तीर्थ समिति व स्टाफ को भी आयोजन में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

धर्मसभा में पारा श्रीसंघ के वरिष्ठ सुरेशजी कोठारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पारा श्रीसंघ पर उपकारों का बखान किया और बताया कि गुरुदेवश्री के पुण्य प्रताप से ही पारा श्रीसंघ में तप की गंगा प्रहवमान है। आभार नगीनजी छाजेड़ ने ज्ञापित किया। संचालन श्री गौड़ी तीर्थ समिति के संजयकुमारजी काठी ने किया। झाबुआ-पारा श्रीसंघ की ओर से साधर्मिकवात्सल्य का आयोजन किया गया। दोपहर में लाभार्थी परिवार की ओर से श्री आदिनाथ पंचकल्याणक पूजन मन मधुकर ग्रुप द्वारा संगीत की स्वलहरियों के साथ पढ़ाई गई।

वर्षीतप के पतस्वियों के पारणे, प्रभु की पंचकल्याणक पूजा के लाभार्थी एवं एक दिन की विभिन्न धार्मिक गतिविधियों के लाभार्थी श्रीमती वालीबाई सागरमलजी का बहुमान श्रीसंघ की वरिष्ठ श्राविका जसकुँवरजी दुग्गड़, श्रीमती शिरोमणि राठौर, श्रीमती समता काठी एवं श्रीमती सन्ध्या राठौर ने शॉल, श्रीफल एवं मोती की माला पहनाकर किया। छाजेड़ परिवार के वरिष्ठ नगीनलालजी, मनोहरजी एवं अशोकजी छाजेड़ का बहुमान श्रीसंघ के वरिष्ठ कान्तिलालजी बाबेल, श्री ऋषभदेव बावन जिनालय पेढ़ी के व्यवस्थापक संजयजी मेहता, वर्धमान स्थानकवासी श्रीसंघ के अध्यक्ष प्रदीप रूनवाल, श्री गौड़ीजी तीर्थ समिति के अशोक राठौर एवं तेरापन्थ समाज के अध्यक्ष पकजजी कोठारी ने शॉल एवं श्रीफल से किया।

आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. एवं मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. यहाँ से विहार कर श्री मोहनखेड़ा तीर्थ पर पधारेंगे, जहाँ पट्टधरद्वय की निश्रा में जयन्तसेन म्यूजियम में आयोजित चैत्र मास की ओली की आराधना की जायेगी।

दिनांक 18 अप्रेल 2019 को राजनगर-अहमदाबाद में हो रहे आत्मोद्धार के मुमुक्षु रत्नों की श्री मोहनखेड़ा तीर्थ की पुण्यधरा पर जयन्तसेन म्यूजियम से भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी।

दिनांक 19 अप्रेल 2019 को सम्पूर्ण भारतवर्ष से पधारे श्रीसंघों की उपस्थिति में श्रमण-श्रमणिवृन्द के इस वर्ष के चातुर्मास की उद्घोषणा प्रवचन मण्डप में की जायेगी। इस अवसर पर अनेक श्रीसंघों द्वारा विनती-पत्र पट्टधरद्वय की सेवामें प्रस्तुत किए जाएँगे और श्रीसंघों की भावना को ध्यान में रखते हुए चातुर्मास की उद्घोषणा होगी।

दिनांक 26 अप्रेल 2019 को पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की द्वितीय वार्षिक पुण्यतिथि धार्मिक आयोजनों के साथ ही जनकल्याणकारी कार्य करते हुए पट्टधरद्वय एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द के सान्निध्य में हजारों गुरुभक्तों की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ मनाई जायेगी। जयन्तसेन म्यूजियम के प्रवचन सभागार में आयोजित गुणानुवाद सभा का आयोजन भी किया जायेगा, जिसमें पट्टधरद्वय के अतिरिक्त अनेक गणमान्य पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के गुणों का बखान करेंगे। पुण्य सप्तमी पर्वोत्सव के आयोजक श्री राजराजेन्द्र जैन श्वेताम्बर तीर्थ दर्शन पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पधारने वाले गुरुभक्तों के लिए समुचित व्यवस्थाएँ की हैं।

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

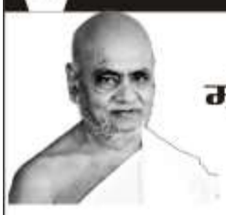

गच्छाधिपतिश्री का मोहनखेड़ा म्यूजियम में भव्य मंगल प्रवेश

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेव राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर, गच्छाधिपति श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि मुनिमण्डल राजस्थान से उग्र विहार कर गुजरात से मध्यप्रदेश के अलीराजपुर, जोबट, पारा आदि नगरों में धर्मसन्देश प्रदान करते हुए दिनांक 6 अप्रेल 2019 को तिरला होते हुए दादा गुरुदेव की पुण्य स्थली श्री मोहनखेड़ा तीर्थ पहुँचे।

दादा गुरुदेवश्री को वन्दन करते गच्छाधिपतिश्री

तीर्थ परिसर में गच्छाधिपतिश्री और श्रमण-श्रमणिवृन्द ने साथ मूलनायक भगवान एवं दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के साथ ही व्याख्यान-वाचस्पति गुरुदेव, कवि हृदय गुरुदेव के दर्शन-वन्दन कर श्री मोहनखेड़ा तीर्थ से बैण्ड-बाजों, ढोल के साथ चतुर्विध संघ के साथ मोहनखेड़ स्थित जयन्तसेन म्यूजियम में मंगल प्रवेश किया। मंगल प्रवेश के अवसर पर आयोजित इस शोभायात्रा में मार्ग में महिलाएँ कलश धारण कर चल रही थीं तो गुरुभक्त नृत्य

मंगल प्रवेश पर आयोजित शोभायात्रा

म्यूजियम पर गहुँली कर बधाते महिला मण्डल

करते हुए चल रहे थे। म्यूजियम के प्रवेश द्वार पर धर्म दिवाकरश्री की महिला मण्डल ने कलश एवं गहुँली कर अगवानी की। यहाँ जिनालय में दर्शन-वन्दन करने के पश्चात् शोभायात्रा धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

धर्मसभा में मंगलाचरण करते हुए गच्छाधिपतिश्री ने उपस्थित गुरुभक्तों को धर्मोपदेश प्रदान किया। गच्छाधिपतिश्री एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में म्यूजियम परिसर में चातुर्मास उद्घोषणा, ओलीजी आराधना एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की द्वितीय वार्षिक पुण्य तिथि पर्व पुण्य स्मरणी के भव्य आयोजन निष्पादित होंगे। इन आयोजनों में निश्रा प्रदान करने हेतु आचार्यदेवेशश्री एवं मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. का विहार निरन्तर गतिमान है।

इस अवसर पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशजी धरू, अशोकजी श्रीश्रीमाल, सुरेन्द्रजी लोढ़ा, गजेन्द्रजी, 72 जिनालय भीनमाल के निर्माता रमेशजी लुंकड़, बाबूलालजी मामा, कान्तिलालजी भण्डारी, मनोहरलालजी पौराणिक, सन्तोषजी काँठेड़, रविजी मोदी, प्रणयजी भण्डारी, हर्षकुमारजी बाफना, शैतानमलजी कुमठ, शम्भूलालजी सेठिया, मनोहरलालजी राठौर, अर्जुनजी सेठिया, मनीषजी कुमठ सहित राष्ट्रीय महिला परिषद के पदाधिकारी एवं गणमान्य समाजजन विशाल संख्या में गुरुभक्त उपस्थित रहे।

मुनिराजश्री की निश्रा में भागवती प्रव्रज्या के उपलक्ष्य में रत्नत्रयी महोत्सव

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रवचनकार श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्य एवं आज्ञानुवर्ती कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि की शुभ निश्रा में प्रभु महावीर प्रदत्त संयम मार्ग का अनुसरण करने को उत्सुक मेंगलवा निवासी श्रीमती गीतादेवी लक्ष्मणराजजी संकलेचा की सुपुत्री मुमुक्षु प्रियंकाकुमारी के भागवती प्रव्रज्या के उपलक्ष्य में रत्नत्रयी महोत्सव का आयोजन दिनांक 12 अप्रेल 2019 से 14 अप्रेल 2019 तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ किया गया।

महोत्सव के अन्तर्गत प्रथम दिन श्री राजेन्द्रसूरि गुरुपद महापूजन पढ़ाया गया। दूसरे दिन श्री सिद्धचक्र महापूजन पढ़ाया गया। महोत्सव के तीसरे दिन मुनिराजश्री की निश्रा में मुमुक्षु बहिन का भव्य वर्षीदान का वरघोड़ा बैण्ड-बाजों एवं ढोल की मधुर ध्वनि के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से निकाला गया। वरघोड़े में विशाल संख्या में निकटवर्ती नगरों से गुरुभक्त पधारे।

इस प्रसंग पर धर्मसभा में देशना देते हुए मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने कहा कि जैनकुल में जन्म लेने के बाद संयम के मार्ग पर अग्रसर होना श्रावक का कर्त्तव्य है। संयम मार्ग तलवार की धार पर चलने के समान है और विरल आत्मा ही इस पथ पर अपने कदम बढ़ाती है। धन्य है वह माता-पिता जो अपने बच्चों को इस पथ पर चलने की आज्ञा प्रदान करते हैं और जिनशासन की सेवा में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करते हैं, उनकी जितनी भी अनुमोदना की जाये वह कम है।

वरघोड़े के पश्चात् श्री शान्तिनाथ पंचकल्याणक पूजन पढ़ाया गया। महोत्सव के तीनों दिन रात्रि को भक्ति का मनमोहक कार्यक्रम हुआ एवं तीनों दिन नवकारसी एवं साधर्मिक भक्ति मेंगलवा निवासी शा. जेठमलजी किनाजी संकलेचा परिवार अहमदाबाद-त्रिची-चैन्नई द्वारा की गई। प्रभु भक्ति रमझट संगीतकार श्री देवेश जैन पार्टी श्री मोहनखेड़ा ने मधुर स्वरलहरियों के साथ की।

डीसा परिषद् शाखा द्वारा अनूठी पहल

उदयपुर (स.सं.)

परिषद् की डीसा (गुजरात) की शाखा के कुछ सदस्यों ने साधु-साध्वी को सड़क दुर्घटना से बचाने के लिए एवं ड्राईवर क्लीनर को सावधान करने हेतु एक अनूठी पहल प्रारम्भ की है।

ये सदस्य हाईवे के चार रास्तों पर स्थित ढाबे या होटल पर जहाँ ट्रकों के चालक, परिचालक खाना खाने या चाय नास्ते के लिए रुकते हैं, उन चालक, परिचालक को अपने पैसों से चाय-नास्ता करवाकर उन्हें जैन साधु-साध्वियों के बारे में समझाते हुए बताएँगे कि ये महावीर के दूत हैं, ये सड़क पर चल रहे जीव कुचला नहीं जाए इस हेतु पैदल और नीचे देखते हुए चलते हैं।

ऐसी स्थिति में कभी-कभी आते हुए वाहन का ध्यान नहीं रख पाते। इसलिए आपसे आग्रह है कि वाहन चलाते समय से सफेद वेशधारी साधु-साध्वी सड़क पर चलते हुए दिखाई दे तो अपनी गाड़ी धीरे व सावधानीपूर्वक निकलें, क्योंकि इन्हें दुर्घटना से बचाना है। धीरे-धीरे यह कार्यक्रम विस्तारित होता जायेगा और चालक, परिचालक सावधान होते जायेंगे। यतीन्द्र वाणी परिवार अनुमोदन करते हुए आग्रह करता है कि हम सभी एवं जैनसमाज की संस्थाएँ भी इस कड़ी में जुड़ें।

योगी-वाणी

हृदय में पहले भगवान् नहीं अपितु भाव आता है। भाव आ जायेगा तो भगवान् को आते देर नहीं लगेगी।

भाव से ही भवबन्धन कटते हैं और भाव से ही भवसागर पार होता है। पदार्थ की नहीं भक्त के भाव को प्रभु स्वीकार करते हैं।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

राजनगर आत्मोद्धार के मुमुक्षुओं के आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा

उदयपुर (स. सं.),

राजनगर-अहमदाबाद में आयोजित आत्मोद्धार के 19 से अधिक मुमुक्षुओं के आगामी कार्यक्रम निम्नांकित है।

दिनांक 19 अप्रेल 2019 चैत्र शुक्ला पूर्णिमा चातुर्मास उद्घोषणा के दिन राजगढ़-मोहनखेड़ा में भव्यातिभव्य रथयात्रा एवं बहुमान। शासन प्रभावना के इस भव्य अनुष्ठान में जुड़ेंगे मालवांचल के 85 से अधिक श्रीसंघ।

दिनांक 20 अप्रेल 2019 चैत्र कृष्णा 1 को मायन्दर-मुम्बई में अनोखी बिन्दोली, बहुमान एवं भाववाही विदाई समारोह। संवेदना- ईशानभाई, स्वर-पारस गड़ा।

दिनांक 21 अप्रेल 2019 चैत्र कृष्णा 2 को मुम्बई श्रीसंघ द्वारा भव्यातिभव्य रथयात्रा, बहुमान एवं विदाई।

दिनांक 25 अप्रेल 2019 चैत्र कृष्णा 6 को ज्ञानभूमि पाटण नगर में भव्यातिभव्य रथयात्रा, बहुमान एवं पेपराल नगर में मुमुक्षुओं की भाववाही संध्या भक्ति।

दिनांक 26 अप्रेल 2019 चैत्र कृष्णा 7 (पुण्य सपतमी) को श्री माण्डवपुर महातीर्थ में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की त्रितीय वार्षिक पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में गुरुराज वधामणा एवं बहुमान कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

दिनांक 5 मई 2019 वैशाख शुक्ला 1 को धर्मनगरी सूरत में भव्यातिभव्य रथयात्रा एवं बहुमान किया जायेगा।

मालवा में दो दिवसीय शिविर सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राटश्री के दिव्याशीर्वाद एवं पट्टधरद्वय धर्मदिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की शुभ प्रेरणा से मालवा में भक्तिमय परिवेश में अध्यात्म यात्रा दो दिवसीय शिविर सम्पन्न हुआ। जिसके अन्तर्गत अलग-अलग नगरों में शिविर ज्ञानोपासक करवाए गए। जिसमें बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लेकर आत्मकल्याण के पथ पर अग्रसर होते हुए धार्मिक शिक्षण प्राप्त किया।

खाचरौद में पन्नालभाई हँसमुखभाई कोरडिया-सूरत, विरभाई मुकेशभाई चत्तर-नामली ने शिविर में शिक्षण प्रदान किया। शिविर में 95 बालक-बालिकाओं ने उत्साह से भाग लिया। जिसमें कई बच्चों ने रात्रि भोजन और जमींकन्द का त्याग किया था।

नागदा में पुनितभाई सकलेचा-झाबुआ, राजभाई विजयभाई वोहेरा-डीसा ने शिविर के दौरान 75 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें प्रभु का ध्यान एवं साधना सिखाई गई। विशेष रूप से जिनालय में प्रभु की पूजा की विधि अभ्यास सहित करके बताई गई।

पिपलौदा में आगमभाई अश्विनभाई कोरडिया-डीसा एवं यशभाई नरेशभाई सेठ-डीसा ने 30 बच्चों को शिक्षण प्रदान करते हुए प्रभु की पूजा अभ्यास के साथ विधि सहित सिखाई गई और उसके पश्चात् कई बच्चों ने तीन माह पूजा करने का नियम भी लिया।

पिपलिया मण्डी में प्रशान्तभाई प्रेमराजभाई चोरड़िया-गोवा, बाबूभाई कुमारभाई मोरखिया-डीसा के नेतृत्व में 30 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें भक्तामर महाभिषेक किए गए।

महिदपुर रोड़ में मोक्षभाई चीनूभाई कोरडिया-डीसा, अक्षतभाई अशोकभाई मोरखिया-डीसा एवं राजभाई हितेशभाई मोरखिया-डीसा द्वारा 25 बच्चों को धार्मिक शिक्षण प्रदान किया गया। शिविर में बच्चों को औषधियुक्त महाभिषेक संवेदना के साथ हुए।

मालवा में शिविर के दौरान भक्तिमय और साधनामय वातावरण बना। दो दिवसीय शिविर में बच्चों का बहुत उत्साह परिलक्षित हुआ। अनेक बच्चों ने आत्मकल्याण के लिए कुछ नियम भी लिए।

इन शिविरों में सभी शिविरार्थी व दो प्रतिक्रमण याद करने वाले बच्चों को अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय मन्त्री भरतभाई वोरा ने पुरस्कृत किया। लाभार्थी परिवारों के सहयोग से यह शिविर सानन्द सम्पन्न हुए।

जैन समाज का लोकप्रिय एवं सबसे अधिक संख्या में प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक
यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये।
घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

आत्मोद्धार-3 हेतु आयम्बिल तप

उदयपुर (स. सं.),

राजनगर-अहमदाबाद में 23 मई 2019 को प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय धर्मदिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की शुभनिश्रा में आयोजित आत्मोद्धार-3 सामूहिक दीक्षा महोत्सव आनन्द के साथ सम्पन्न हो इसी मंगलाभिलाषा से त्रिस्तुतिक श्रीसंघ एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के तत्वावधान में सामूहिक आयम्बिल का आयोजन सकल श्रीसंघों में किया जा रहा है।

27 दिवसीय अखण्ड आयम्बिल रखा गया है। आयोजन में आपके श्रीसंघ का नाम जिस दिन आए उस दिन अधिक से अधिक आयम्बिल करने का भाव रखें, आयम्बिल 27 अप्रेल 2019 से प्रारम्भ होंगे। अपने श्रीसंघ का नाम श्री ब्रजेश बोहरा, राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी को लिखवा कर इसको सफल बनावें। आप सभी विशेष रूप से यह ध्यान रखावें कि साकली आयम्बिल की कड़ी अखण्डित रहे। कम से कम एक आयम्बिल अनिवार्य रूप कर संयम अनुमोदना अवश्य करावें।

पुण्य सप्तमी पर पाटण में महोत्सव

उदयपुर (स. सं.),

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण द्वारा प. पू. पुण्य-सम्राट, युग प्रभावक आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के देवलोकगमन की द्वितीय वार्षिक पुण्य तिथि निमित्त पुण्य-सप्तमी के उपलक्ष्य में त्रिदिवसीय महोत्सव पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर धर्मदिवाकर, गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में दिनांक 25 अप्रेल 2019 से 27 अप्रेल 2019 तक आयोजित किया जायेगा।

महोत्सव के प्रथम दिन राजनगर-अहमदाबाद में होने वाले आत्मोद्धार-3 (सामूहिक दीक्षा) के मुमुक्षु रत्नों की भव्य शोभायात्रा, मुमुक्षु रत्नों का बहुमान, श्री पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजा के कार्यक्रम आयोजित होंगे। द्वितीय दिन भक्तामर स्तोत्र सहित गुरु स्मरण पाठ, गुरु गुणानुवाद सभा के साथ श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजा के साथ पुण्य-सम्राट गुरुदेव की भव्य आरती की जायेगी। तृतीय दिन सामूहिक सामायिक, श्री राजेन्द्रसूरि अष्टप्रकारी पूजा आदि कार्यक्रम होंगे। महोत्सव के तीनों दिन परमात्मा की नयनाभिराम अंगरचना एवं भक्ति-भावना की जायेगी।

पुण्य सप्तमी के त्रिदिवसीय महोत्सव में जनसेवा, जीवदया और अनुकम्पा आयोजन के साथ पाटण नगर के 107 जिनालयों के पुजारी एवं कर्मचारियों का राशन सामग्री से बहुमान किया जायेगा। जिनालय एवं गुरु मन्दिर में दोनों समय शहनाई वादन एवं मन मधुकर ग्रुप द्वारा संगीत की मधुर स्वलहरियों के साथ गुरु भक्तिमय रमझट प्रस्तुत की जायेगी।

महोत्सव को अविस्मरणीय बनाने हेतु त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण सहित पाटण नगर के अनेक जैन संघों एवं अन्य समाज के लोगों द्वारा भव्य तैयारियाँ गतिमान हैं। पाटण त्रिस्तुतिक जैन संघ के साथ ही स्थानीय एवं अनेक नगरों के गुरुभक्त इस महोत्सव के लाभार्थी होंगे।

पुण्य सप्तमी का आयोजन देश के विभिन्न नगरों में एवं मुख्य आयोजन पुण्य-सम्राट के समाधि स्थल राजस्थान के अतिप्राचीन महातीर्थ माण्डवपुर में 26 अप्रेल 2019 को भव्य समारोह के साथ विविध कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न होगा।

आत्मोद्धार के मुमुक्षुओं का आगामी कार्यक्रम

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी मातृहृदया गुरुवर्या साध्वीश्री कोमललताश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री अनेकान्तलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा 5 की पावन निश्रा में श्री केशरियाजी जैन मन्दिर झनकावदा (छोटा केशरियाजी) मध्यप्रदेश में भव्य अष्टमी का आयोजन चैत्र कृष्णा 8, दिनांक 28 मार्च 2019, गुरुवार को किया गया।

प्रातः 8 बजे राजगढ़ एवं रायपुरिया पैदल संघ का भव्य वरघोड़ा एवं संघ का स्वागत किया गया। प्रातः स्नात्र पूजा के पश्चात् प्रातः 9 बजे चैत्य प्रवाड़ी का आयोजन किया गया जिसमें विशाल संख्या में गुरुभक्तों ने भाग लिया। चैत्य प्रवाड़ी के पश्चात् स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया तथा दोपहर में 12.15 बजे संगीत की स्वरलहरियों के साथ संगीतकारों द्वारा पूजा पढ़ाई गई।

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक सकल जैन श्रीसंघ झनकावदा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में निकटवर्ती क्षेत्रों से कई गणमान्य एवं श्रीसंघ के प्रतिनिधि पधारे।

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में दर्शनार्थ गुरुभक्तों का आगमन

उदयपुर (स.सं.)

राजस्थान की धर्मधरा पर स्थित अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर तीर्थ में निरन्तर गुरुभक्तों का दर्शनार्थ आवागमन हो रहा है। दिनांक 5-4-2019 को बेंगलोर के चिकपेठ एवं विविपुरम् स्थित श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर पेढ़ी के तत्वावधान में संचालित श्री ऋषभ संस्कार वाटिका के बच्चे एवं परिवारजन लगभग 400 यात्री श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में दर्शनार्थ पधारे।

तीर्थ परिसर में मूलनायक श्री महावीरस्वामीजी एवं गुरुमन्दिरों में दर्शन-वन्दन करने के पश्चात् यहाँ विराजित कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा के दर्शन-वन्दन किए।

मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने सभी को माँगलिक श्रवण कराते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप सब धर्ममार्ग का अनुसरण करते हुए जिनशासन की खूब प्रभावना करें यही हमारा आशीर्वाद है।

दिनांक 8-4-2019 को तीर्थ परिसर में दर्शनार्थ शाश्वती चैत्री ओलीजी के 1000 आराधक पधारे। यहाँ भोजन एवं दर्शन-वन्दन-आरती करने के पश्चात् मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द के दर्शन-वन्दन कर माँगलिक श्रवण कर जैसलमेर की ओर प्रस्थान किया। यह सभी आराधक श्री नाकोड़ा तीर्थ में ओलीजी की आराधना करेंगे।

दोपहर 2 बजे उमरगाँव से 60 वर्षीतप आराधक भी दर्शनार्थ श्री भाण्डवपुर महातीर्थ पहुँचे। सभी ने दर्शन-वन्दन कर मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए माँगलिक श्रवण किया।

श्री अशोक सेठिया ने बताया कि महातीर्थ पर श्री महावीर जन्म कल्याणक एवं चैत्री पूर्णिमा के शुभ प्रसंग पर त्रिदिवसीय महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। जिसमें दिनांक 17-4-2019 को श्री महावीर पंचकल्याणक पूजा पढ़ाई जायेगी। दिनांक 18-4-2019 को श्री आदिनाथ पंचकल्याणक पूजा पढ़ाई जायेगी। दिनांक 19-4-2019 को श्री नवपद पूजन पढ़ाई जायेगी तथा नवकारसी होगी।

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय महोत्सव सह चैत्री पूर्णिमा के लाभार्थी श्री सिद्धचक्र नवपद आराधक सुश्रावक हैं।

अतिप्राचीन
श्री भाण्डवपुर महातीर्थ
के आँगणिये
प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त
श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा.
की द्वितीय वार्षिक पुण्य सप्तमी पर्व

मंगल कार्यक्रम

वि. सं. 2076, वैशाख (गु. चैत्र) कृष्णा सप्तमी
दिनांक 26-4-2019, शुक्रवार

प्रातः 6.00 बजे से	-	श्री भक्तामर स्तोत्र एवं गुरुगुण इक्कीसा पाठ
प्रातः 7.00 बजे से	-	प्रक्षाल पूजा की बोलियाँ, पूजा तथा अल्पाहार
प्रातः 8.30 बजे से	-	आत्मोद्धार-3 के सभी मुमुक्षुओं द्वारा पुण्य-सम्राट को श्रद्धासुमन अर्पण
प्रातः 9.30 बजे से	-	गुरुगुणानुवाद सभा तथा आरती के चढ़ावे
प्रातः 11.30 बजे से	-	आत्मोद्धा-3 के सभी मुमुक्षुओं का बहुमान
दोपहर 12.15 बजे से	-	स्वामीवात्सल्य (सुरुचि भोजन)
दोपहर 2 से 5 बजे तक	-	श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजा
सायं 5.00 बजे से	-	स्वामीवात्सल्य (सुरुचि भोजन)
सायं 7.00 बजे से	-	सामूहिक महा आरती एवं गुरु भक्ति

आप सपरिवार आमन्त्रित हैं।

आयोजक-आमन्त्रक
श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट)
श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)
श्री पुण्य सप्तमी पर्व आयोजक समिति
मु. पो.- भाण्डवपुर तीर्थ-343 022, वाया- सायला, जिला- जालोर (राज.)

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

✻ रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक ✻

SCAN ME

http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur — bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222 — www.bhandavpur.com
पेढ़ी +91-7340019702-3-4 — BTveer

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।

✻ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✻ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री..
....
....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222